वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :5 अंक : 50 | शनिवार 14 जून 2025 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

अभिनय के दर्पण में युवा कलाकारों के हुनर का अक्स

प्रतिभागियों ने किया सीन प्ले, 20 दिवसीय कार्यशाला में कलाकारों ने लिया हिस्सा

जयपुर. कासं। जवाहर कला केन्द्र का कृष्णायन सभागार शुक्रवार को खुला मंच बना। जहां कलाकारों ने अपने स्वतंत्र रचनात्मक विचारों से तैयार लघु कहानियों को नाट्य रूप में मंचित किया। मौका रहा, केन्द्र की ओर से आयोजित 20 दिवसीय अभिनय दर्पण कार्यशाला के समापन का। जूनियर समर कैंप में जहां 8 से 17 वर्ष के बच्चों को रंगमंच का प्रशिक्षण दिया जाता है। वहीं 18 वर्ष से अधिक उम्र के कलाकारों को अभिनय व रंगमंच के गुर सिखाने के लिए यह कार्यशाला आयोजित की गई। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से स्नातक नाट्य निर्देशक विशाल विजय के निर्देशन में हुई कार्यशाला में सीखे सबक के साथ कलाकारों ने छोटे-छोटे स्टोरी सीन तैयार कर उन्हें प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रतिभागियों के अभिभावक भी मौजूद रहे। विशाल विजय ने बताया कि कार्यशाला में अभिनेताओं को एकल संवाद, भाषा, संगीत, मूवमेंट, थिएटर सीन, इंप्रोवाइजेशन, ऑडिशन स्किल्स का प्रशिक्षण दिया गया और साथ ही समृद्ध जयपुर रंगमंच की जानकारी भी दी गई। 4 हफ्ते बाद अभिनेताओं ने स्वयं अपने संवाद और दृश्य चुने जिन्हें 80 मिनट की एक प्रस्तुति में पिरोकर पेश किया गया।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर जयपुर में विशेष आयोजन

जयपुर. कासं। जयपुर के महेश नगर स्थित परशुराम पार्क में आरोग्य भारती जयपुर भाग 2 मालवीय भाग ने आगामी अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून) के अवसर पर जनमानस में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उद्देश्य से योग कार्यक्रम का आयोजन किया। योग शिक्षक उमा शर्मा ने सभी प्रतिभागियों को योग और प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में प्रांत आयाम प्रमुख डॉक्टर इंद्र कुमार जैन ने आरोग्य भारती के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने स्वस्थ जीवन में योग के महत्व पर भी प्रकाश डाला।

पद्मभूषण पं. विश्वमोहन भट्ट ने किया युवा प्रतिभाओं का सम्मान

सुरेन्द्र पाल जोशी की स्मृति में अखिल भारतीय युवा कलाकार प्रदर्शनी की शुरूआत

जयपुर. कासं

स्वर्गीय कलाकार सुरेंद्र पाल जोशी की स्मृति में आयोजित "अखिल भारतीय युवा कलाकार प्रदर्शनी 2025" का उद्घाटन एवं पुरस्कार वितरण समारोह राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर में संपन्न हुआ। यह आयोजन देशभर के युवा कलाकारों के लिए प्रेरणा का मंच बना। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पद्मभूषण एवं ग्रैमी अवॉर्ड से सम्मानित प्रख्यात मोहनवीणा वादक पंडित विश्वमोहन भट्ट ने प्रतिभावान कलाकारों को सम्मानित किया और उपस्थित श्रोताओं को भारतीय संस्कृति और सृजनशीलता के महत्व पर संबोधित किया। इस अवसर पर मंच पर प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ. राजेश व्यास, कला समीक्षक सर्वेश भट्ट, सुरेंद्र पाल जोशी कला स्मृति ट्रस्ट की संस्थापक संगीता जोशी और संयोजक मुकेश कुमार ज्वाला भी उपस्थित रहे। सभी ने स्व. जोशी जी के विचारों और युवा कलाकारों के लिए उनके दृष्टिकोण पर भावपूर्ण वक्तव्य दिए। भोरुका चैरिटेबल ट्रस्ट और राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर का इस आयोजन में विशेष सहयोग रहा, जिन्होंने मंच, संसाधन और व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाईं। मुख्य पुरस्कार विजय सिंह बेनीवाल, सिरसा, हरियाणा को दिया गया, जिसमें उन्हें 21,000 रुपए प्रदान किए गए। समान पुरस्कार भूमि सोनी, दिल्ली, आदिशा ग्रोवर, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश, अरुण कुमार कुमावत, नवा सिटी, राजस्थान, राजेश जांगिड़, जयपुर को मिला। इन्हें पांच हजार रुपए प्रदान किए गए। विशेष जूरी प्रशंसा (प्रमाण पत्र) जयंत शर्मा (जयपुर), जयश्री सिंह देव (झारखंड), मुकेश कुमार (नागौर) के नाम शामिल रहे। प्रदर्शनी में देशभर से चयनित 110 से अधिक कलाकृतियां प्रदर्शित की जा रही हैं, जो समकालीन युवा सोच, सामाजिक चिंताओं और विविध शैलियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। संगीता जोशी ने कहा कि यह आयोजन स्व. जोशी जी के उन सपनों का मूर्त रूप है, जो उन्होंने युवा कलाकारों के लिए देखे थे। मुकेश कुमार ज्वाला ने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि कला संवाद का माध्यम है और इस प्रदर्शनी में हर कलाकार ने अपने माध्यम से यही संदेश दिया है।

हवामहल विधानसभा में 60 लाख के विकास कार्यों का शिलान्यास

श्याम मंदिर पार्क, व्यास कॉलोनी और गंगापोल में बनेगा सामुदायिक भवन, आयुष्मान डिस्पेंसरी भी शुरू

जयपुर. कासं। हवामहल विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को लेकर 12 जून को करीब 60 लाख रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण किया गया। विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य महाराज ने शास्त्री नगर और गंगापोल क्षेत्र में सामुदायिक भवनों और अन्य निर्माण कार्यों की शुरूआत की। वार्ड 17 में श्याम मंदिर पार्क, हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 5, शास्त्री नगर और 62 क्वार्टर्स क्षेत्र में विधायक निधि से स्वीकृत सामुदायिक भवनों का शिलान्यास किया गया। वहीं व्यास कॉलोनी, बेरिया बस्ती शास्त्री नगर में बनकर तैयार सामुदायिक भवन का लोकार्पण हुआ। इसी के साथ वार्ड 22 स्थित धानका समाज बगीची, गंगापोल में 6.86 लाख की लागत से चबूतरा, चारदीवारी और टीनशेड निर्माण के कार्य की नींव रखी गई। कार्यक्रम में व्यास कॉलोनी में मुख्यमंत्री बजट घोषणा के तहत स्वीकृत शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (डिस्पेंसरी) का लोकार्पण भी हुआ। विधायक स्वामी बालमुकुंदाचार्य ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सरकार की प्राथमिकता है कि आम लोगों को बेहतर चिकित्सा सुविधा नजदीक मिले। इससे कॉलोनीवासियों को इलाज के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। विधायक ने यह भी बताया कि सामुदायिक भवनों के निर्माण से स्थानीय लोगों को सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक और पारिवारिक कार्यक्रमों के लिए बेहतर जगह मिलेगी।

।। श्री शांतिनाथाय नमः ।।
।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।
श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर
एम ब्लॉक, 6-डी, इन्जीनियर्स कॉलोनी, मान्यावास, मानसरोवर, जयपुर
मंगल आशीर्वाद
श्री मज्जिनेन्द्र शान्तिनाथ
पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव
शनिवार 14 जून से सोमवार, 16 जून 2025
आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज
वात्सल्य आमंत्रण
धर्मानुरागी महानुभाव
सादर जय जिनेन्द्र!
परम हर्ष का विषय है कि जयपुर, मानसरोवर की कॉलोनी-मान्यावास में निर्माणाधीन वृहद श्री 1008 शान्तिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन हो रहा है। इसमें परम पूज्य वात्सलय मूर्ति कवि हृदय आचार्य श्री 108 शशांक सागर जी महाराज संसंघ का सानिध्य प्राप्त हो रहा है।
अतः आपसे अनुरोध है कि प्रभावनापूर्वक आयोजित होने वाले इस समारोह में सभी जन अवश्य पधारें। सभी आगन्तुक महानुभावों व सम्भागियों के लिए भोजन की व्यवस्था रहेगी।
कैबिनेट मंत्री, राजस्थान सरकार
प्रतिष्ठाचार्य
वास्तुविद
सह-प्रतिष्ठाचार्य
सिविल इंजि.
समारोह की क्षणिकायें
शनिवार, 14 जून, 2025
प्रातः 5:30 बजे मंगलाष्टक, अभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 6:00 बजे घटयात्रा
प्रातः 7:30 बजे ध्वजारोहण, पाण्डाल उद्घाटन, वेदी शुद्धि पाण्डाल, वेदी शुद्धि सरकार मंदिर, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन, मंगल कुंभ स्थापना, प्रवचन
दोपहर 1:00 बजे सकलीकरण, इन्द्र प्रतिष्ठा, मण्डल प्रतिष्ठा, श्री यागमंडल विधान, "माता की गोद भराई"
सायंकाल 7:00 बजे आरती, शास्त्र सभा, राज दरबार, इन्द्र दरबार, रत्नवर्षा, नगरी रचना, सोलह स्वप्न, अष्ट कुमारियों द्वारा माता की सेवा, 56 कुमारियों द्वारा सेवा
रात्री 12:45 बजे गर्भ कल्याणक आंतरिक क्रिया
रविवार, 15 जून, 2025
प्रातः 5:00 बजे नित्याभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 5:30 बजे भगवान का जन्म, पाण्डुशिला अभिषेक, अन्न प्राशन, बाल क्रीड़ा, पालना, बाल श्रृंगार
प्रातः 11:00 बजे राज दरबार, पट्टाभिषेक, 32 मुकुट बद्ध राजाओं द्वारा भेंट, वैराग्य, लौकान्तिक देव आगमन "दीक्षा", भगवान का आहार
दोपहर 04:00 बजे ज्ञान कल्याणक की अन्त रंग विधि, "समोशरण रचना" "दिव्य देशना"
सायं 7:30 बजे आरती, सांस्कृतिक कार्यक्रम
सोमवार, 16 जून, 2025
प्रातः 5:00 बजे नित्याभिषेक, शांतिधारा
प्रातः 6:00 बजे मोक्ष कल्याणक विधि, अग्नि कुमार देवों द्वारा सत्कार "हवन क्रिया", श्रीजी भगवान रथयात्रा, "भगवान विराजमान"
माता - पिता
सौधर्म इन्द्र
धनपति कुबेर
महायज्ञ नायक
यज्ञनायक
चक्रवर्ती
महामण्डलेश्वर
ईशान इन्द्र
सानत इन्द्र
माहेन्द्र इन्द्र
ब्रह्म इन्द्र
ब्रह्मोत्तर इन्द्र
लान्तव इन्द्र
कापिष्ठ इन्द्र
शुक्र इन्द्र
महाशुक्र इन्द्र
शतार इन्द्र
सहस्त्रार इन्द्र
आनत इन्द्र
प्राणत इन्द्र
आरण इन्द्र
अच्युत इन्द्र
सूर्य इन्द्र
चन्द्र इन्द्र
भास्कर इन्द्र
मेघकुमार इन्द्र
वातकुमार इन्द्र
अग्निकुमार इन्द्र
भूमि पुण्यार्जक
झण्डारोहण कर्ता
विशेष सहयोगकर्ता
दीप प्रज्वलन कर्ता
मूर्ति पुण्यार्जक
मूर्ति पुण्यार्जक
मूर्ति पुण्यार्जक
चित्र अनावरण कर्ता
मंडप उद्घाटन कर्ता
पूजा सामग्री पुण्यार्जक
कार्यक्रम स्थल
राधे रानी गार्डन, श्याम वाटिका, मोहरु नगर, मान्यावास, न्यू सांगानेर रोड, जयपुर - 302020
साधु एवं त्यागी वृति व्यवस्थापक
रवि कुमार जैन
रेणु पाटनी
रवि छाबड़ा
चेतन प्रकाश जैन
जय कुमार जैन
रथयात्रा व्यवस्थापक
कमल जैन
भानु प्रकाश जैन
राहुल पाटनी
सपन जैन
पूजन व्यवस्थापक
प्रकाश चंद सेठी
सतीश कुमार जैन
मयंक जैन
मनीष गोधा
अनिल लुहाड़िया
भोजनशाला व्यवस्थापक
नेमी कुमार जैन
राकेश पल्लीवाल
मनोज काला
अंकित काला
अमित जैन
सुरेश जैन
मीडिया फ्लैक्स व्यवस्थापक
रौनक जैन
अभिषेक जैन
चिकित्सक व्यवस्थापक
दीपक जैन
मुकेश जैन (एम4)
मुकेश जैन सेठी
टेन्ट, माईक, फोटोग्राफी व्यवस्थापक
सुमित छाबड़ा, विकास जैन
श्री मज्जिनेन्द्र शान्तिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति
संरक्षक
श्री कमल चन्द छाबड़ा
अध्यक्ष
अनिल बोहरा
उपाध्यक्ष
अशोक जैन (पचेवर वाले)
महामंत्री
गिरीश जैन
कोषाध्यक्ष
मनीष जैन
संयोजक
सी.ए. मनीष छाबड़ा
मंत्री
अमित जैन
प्रचार मंत्री
अभिषेक जैन (बिट्टू)
स्वागत अध्यक्ष
धनेश चंद जैन, राजेंद्र कुमार
प्रकाश चंद सेठी
श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन महिला मण्डल
अध्यक्ष
मीना जैन
उपाध्यक्ष
तारा देवी छाबड़ा
मंत्री
रेणु पाटनी
कोषाध्यक्ष
नीलम पाटनी
कार्यकारिणी सदस्य
मनोज जैन काला, अंकित काला, रमेश कुमार जैन, भानु कुमार जैन, मनीष गोधा, अनुराग जैन, सी.एस. मनीष जैन,
...वाल, शांति कुमार शाह
Scanned by Camera Scanner
28, 9887147520
Kamall Creation
9636860192

विजय गर्ग: सेवा, सृजन और साधना की मिसाल

विजय गर्ग, पंजाब के फातुही खेड़ा गांव से निकले एक समर्पित शिक्षक, लेखक और समाजसेवी हैं। उन्होंने शिक्षा विभाग में 24 वर्षों तक गणित पढ़ाया, 125 से अधिक पुस्तकें लिखीं, और डिजिटल लाइब्रेरी बनाकर हजारों छात्रों का मार्गदर्शन किया। विज्ञान मेलों से लेकर लेखन तक, उनका योगदान बहुआयामी रहा है। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे निःशुल्क कैरियर काउंसलिंग और पुस्तक वितरण द्वारा समाजसेवा में लगे हुए हैं। उनका जीवन सेवा, साधना और सृजन की मिसाल है।

15 अगस्त 1962–देश के स्वतंत्रता दिवस पर, पंजाब के सांस्कृतिक रूप से समृद्ध गांव फातुही खेड़ा में एक ऐसा व्यक्तित्व जन्म लेता है, जो शिक्षा, सेवा और सृजन की त्रिवेणी से समाज को सतत प्रेरणा देता रहा है। यह कहानी है विजय गर्ग की – एक शिक्षक, लेखक, वैज्ञानिक सोच के संवाहक और समाजसेवी, जिनका जीवन अपने आप में एक जीवंत पाठशाला बन गया।

शिक्षा के क्षेत्र में समर्पण

एमएससी, बीएससी, बीएड और पीजीडी इन स्टैटिस्टिक्स की शिक्षा पूरी करने के बाद विजय गर्ग ने पंजाब शिक्षा विभाग में गणित के लैक्चरार के रूप में 20 वर्षों तक कार्य किया। इसके बाद उन्होंने 4० वर्ष तक पीईएस-1 प्रिंसिपल सरकारी कन्या सीनियर सेकेंडरी स्कूल, एमएचआर मालौट में प्राचार्य के रूप में सेवाएं दीं। उन्होंने सरकारी सेवा से प्रिंसिपल ᑉ के पद से सेवानिवृत्ति ली। उनके अध्यापन का दायरा केवल अंकगणित तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उन्होंने अपने विद्यार्थियों को जीवन के मूल्य और नैतिकताएँ भी सिखाईं। आज उनके शिष्य देश के विभिन्न क्षेत्रों में डॉक्टर, इंजीनियर, प्रोफेसर और प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं।

शिक्षक से समाजशिल्पी तक

विजय गर्ग की भूमिका केवल एक शिक्षक तक सीमित नहीं रही। वे एक मार्गदर्शक, एक विचारक और एक समाजशिल्पी भी हैं। उन्होंने डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए ''न्यू नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी'' की स्थापना की, जहाँ विज्ञान और गणित के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें और सामान्य ज्ञान संबंधी संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं। विशेष रूप से व्हाट्सएप ग्रुप्स के माध्यम से उन्होंने में (नीट/ जेईई / युपीऐससी / आईएएस / ओलंपियाड / अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें) जैसी कठिन परीक्षाओं के लिए सैकड़ों छात्रों को डिजिटल फॉर्मेट में किताबें और गाइड मुफ्त में उपलब्ध कराईं।

लेखन: विचारों की मशाल

विजय गर्ग ने लेखन को केवल शौक या पेशा नहीं, बल्कि एक सामाजिक उत्तरदायित्व माना। उन्होंने अंग्रेजी, हिंदी और पंजाबी भाषाओं में हजारों लेख राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय समाचार पत्रों व पत्रिकाओं में प्रकाशित किए। वे 'जूनियर साइंस रिफ्रेशर' जैसी प्रतिष्ठित पत्रिका में नियमित स्तंभकार रहे हैं। उनके लेखों का विषय केवल शिक्षा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना, पर्यावरण, विज्ञान प्रसार, जीवन कौशल और विद्यार्थियों की मनोवैज्ञानिक आवश्यकताओं तक विस्तृत रहा है।

125 से अधिक पुस्तकें

एक लेखक के रूप में उन्होंने 125 से अधिक पुस्तकें लिखी हैं। ये पुस्तकें एनपटीएसई , एनएमएमएस, वैदिक गणित, सामाजिक विज्ञान, क- कक्षा की गणित और क्क गणित के त्वरित संशोधन के लिए समर्पित हैं। उनके लेखन में सबसे बड़ी बात यह रही कि उन्होंने कठिन विषयों को सरल भाषा और रोचक उदाहरणों के माध्यम से विद्यार्थियों के लिए सुगम बनाया।

विजय गर्ग की भूमिका केवल एक शिक्षक तक सीमित नहीं रही। वे एक मार्गदर्शक, एक विचारक और एक समाजशिल्पी भी हैं। उन्होंने डिजिटल माध्यमों का उपयोग करते हुए ''न्यू नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी'' की स्थापना की, जहाँ विज्ञान और गणित के विद्यार्थियों के लिए अध्ययन सामग्री, मार्गदर्शन, प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकें और सामान्य ज्ञान संबंधी संसाधन उपलब्ध कराए जाते हैं।

उनकी पुस्तकों ने विशेषकर ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को आत्मविश्वास दिया कि वे भी बड़े सपने देख सकते हैं।

विज्ञान के प्रति समर्पण

उनकी वैज्ञानिक दृष्टि केवल सिद्धांतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि उन्होंने राष्ट्रीय विज्ञान मेलों में भाग लेकर विद्यार्थियों को नवाचार की दिशा में प्रेरित किया। वे दो बार राष्ट्रीय विज्ञान मेला और तीन बार राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में भाग ले चुके हैं। इसके अलावा, 'जय विजय' पत्रिका में प्रकाशित उनके लेखों को भी कई बार प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। उनके छात्रों की विज्ञान परियोजनाएं राज्य स्तर पर चयनित होकर सम्मानित होती रही हैं।

सेवानिवृत्ति के बाद भी सक्रियता

सेवा से रिटायरमेंट नहीं होता – यह उन्होंने साबित किया। 58 वर्ष की आयु में जब उन्होंने शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्ति ली, तब भी उनका जीवन ठहरा नहीं। वे आज भी नई पुस्तकों के लेखन, डिजिटल शिक्षण सामग्री के वितरण और कैरियर काउंसलिंग में सक्रिय हैं। छात्रों और अभिभावकों के लिए वे निःशुल्क कैरियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित करते हैं, जिनसे सैकड़ों परिवार लाभान्वित हो चुके हैं।

सम्मान और मान्यता

उनके योगदान को शिक्षा विभाग ने भी पहचाना। उन्हें ''पंजाब शिक्षा सचिव'' द्वारा विशेष प्रशंसा प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। यह सम्मान उनके सतत योगदान का एक औपचारिक मूल्यांकन है, मगर असली पहचान तो वे छात्र हैं जो आज उनके आशीर्वाद से जीवन में आगे बढ़ रहे हैं।

पारिवारिक जीवन और विरासत

विजय गर्ग की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी शिक्षा के मूल्यों से भरी रही है। उनके पुत्र डॉ. अंकुश गर्ग, श्रीनगर के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में एमडी रेडियोलॉजी कर रहे हैं – यह इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने अपने बेटे में भी वही मूल्यों की नींव रखी है।

थकान के पार समर्पण की शक्ति

आज, 62 वर्ष की आयु में जब शरीर विश्राम चाहता है, विजय गर्ग का मन और मस्तिष्क नई रचनाओं, नए विचारों और समाज सेवा की योजनाओं से व्यस्त रहता है। उनका जीवन एक जीवंत प्रमाण है कि सेवा और सृजन की कोई उम्र नहीं होती। वे निरंतर सीखने, सिखाने और समाज को दिशा देने में लगे हुए हैं। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि एक व्यक्ति, यदि संकल्पित हो तो बिना किसी मंच, बिना किसी पद या प्रचार के, समाज को दिशा दे सकता है। विजय गर्ग न केवल एक शिक्षक हैं, बल्कि वे एक विचारधारा हैं – सेवा और सादगी की विचारधारा, जो समय के साथ और प्रासंगिक होती जा रही है। ऐसे व्यक्ति का जीवन किसी पुस्तक का विषय नहीं, बल्कि एक आंदोलन की शुरूआत हो सकता है – एक ऐसा आंदोलन जिसमें हर शिक्षार्थी शिक्षक बन सके और हर शिक्षक समाज का वास्तुकार बन सके।

वेद ज्ञान

निज अनुशासन को सदा महत्व दें

कहा जाता है कि अश्लील चर्चा, अश्लील चित्र, अश्लील फिल्म व वीडियो, अश्लील वार्ता और गलत लोगों का संग व्यक्ति के व्यक्तित्व को बहुत जल्दी खराब कर देता है। इसके अनेक उदाहरण समाज में अक्सर दिखलाई पड़ जाते हैं। प्राचीन उदाहरण देखना हो तो मैं आपसे कहूंगा कि ऋषियों में बड़ी श्रेष्ठ स्थिति थी 'कण्व ऋषि' की। उनका सौत्री नाम का पुत्र था। पिता ने खूब कोशिश की कि मेरा पुत्र बहुत ऊंचा उठे और समाज व संस्कृति के काम आए तथा उसमें कोई कमी न रह जाए। उन्होंने उसे बड़े संस्कार दिये, उसे जगाया, उसे संवारा व खूब संभाला, उसे तपस्या के आनन्द और शक्ति से जोड़ा। वह ऋषिपुत्र छोटी आयु में ही अच्छा तपस्वी बना, तपस्या करते-करते आसमान की ऊंचाइयां छुईं। उस युवा ऋषि में यौवन का उद्दाम और उत्साह चरम पर था। वह अपनी सारी ऊर्जा शक्ति साधना में लगाता रहा। लेकिन दुर्भाग्य देखिये- तपस्या के दौरान वह एक दिवस नदी में स्नान करने के लिए गया और वहां मछलियों की काम क्रीड़ा देखने लगा, उसे उसमें बड़ा रस आया। इसके साथ उसके मन में विकार जागे और तपस्या छोड़कर सीधा राजा के महल में गया और कहा कि मैं गृहस्थ होना चाहता हूं। ऋषियों में खलबली मच गई कि जिस युवा तपस्वी से सभी इतनी उम्मीदें थीं, जो बड़ी ऊंचाइयों पर पहुंच सकता था, जो युग की चाल को बदल सकता था, उसमें एक नई लहर पैदा कर सकता था, उसमें यह क्या हो गया? वह जाकर कहां बैठ गया? मित्रों! पता नहीं कहां और कब व्यक्ति का मन बिगड़ जाए, वह कब पतन की तरफ चला जाए। चूंकि मनुष्य में अंतर्निहित ऊर्जा अलग-अलग रूप में विस्फोटक स्वरूप में आती है, इसलिए उस असीम ऊर्जा को संभालना पड़ता है। उसको नीचे गिरने के लिए रास्ता चाहिए और उसको अगर थोड़ा सा भी रास्ता मिल गया तो वह पतन की तरफ चली जाएगी और तुम जहां जाना चाहते थे, वहां पहुंच नहीं पाओगे। इसीलिए मैं प्रायः कहता हूं कि अपने पर सदैव कड़ी दृष्टि रखने की जरूरत पड़ती है। निज अनुशासन को जो महत्व देते हैं, वे ऊंचे उठते चले जाते हैं। आप हमेशा ऊंचा उठना, नीचे मत गिरना।

संपादकीय

गंभीर सवाल खड़े करने वाली दुर्घटना

अहमदाबाद में एअर इंडिया के लंदन जा रहे विमान का एक आवासीय क्षेत्र में गिरना और लगभग सभी यात्रियों समेत चालक दल के सदस्यों की मौत हो जाना एक बहुत ही भयावह, दिल दहलाने और हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल खड़े करने वाली दुर्घटना है। इसे दुर्भाग्य की पराकाष्ठा ही कहेंगे कि यह अभागा विमान उड़ान भरते ही मेडिकल कालेज के जिस हास्टल पर गिरा, वहां भी छात्रों समेत कई लोग मारे गए। यह

विमान जिस तरह आवासीय क्षेत्र में जा गिरा, उससे यही लगता है कि पायलट को इतना भी अवसर नहीं मिला कि वह उसे रिहायशी इलाके से दूर ले जा पाता। विश्व में विमान दुर्घटनाओं में कमी आई है। अब वे यदा-कदा होती हैं, पर ऐसा भयावह हादसा दुर्लभ है। भारत में हाल में वायुसेना के कुछ विमान एवं निजी कंपनियों के हेलीकाप्टर दुर्घटनाग्रस्त हुए हैं और उनमें जनहानि भी हुई है, पर किसी यात्री विमान हादसे में इतनी अधिक संख्या में लोगों ने अर्से बाद जान गंवाई है। 2010 में मेंगलुरु में विमान दुर्घटना में डेढ़ सौ से अधिक लोग मारे गए थे। इसके पहले 1996 में हरियाणा के चरखी दादरी में सऊदी अरब जा रहे और दिल्ली आ रहे विदेशी एयरलाइन के दो विमान हवा में आमने-सामने टकरा गए थे। इसमें करीब 350 लोग मारे गए थे। यह विश्व की सबसे बड़ी विमान दुर्घटनाओं में से एक थी और अजीब भी। इस दुर्घटना में एक पायलट समेत दिल्ली एयर ट्रैफिक कंट्रोल को कठघरे में खड़ा किया गया था। अहमदाबाद में विमान दुर्घटना किस वजह से हुई और उसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसका पता जांच से चलेगा, लेकिन एअर इंडिया के साथ नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) को गंभीरता से हादसे के कारणों का पता लगाना और उनका निवारण करना होगा। इसलिए और भी, क्योंकि हवाई यात्रा की सुरक्षा को लेकर प्रश्न उठते ही रहते हैं। सरकार को सुनिश्चित करना होगा कि इन प्रश्नों का समय पर सही उत्तर मिले, क्योंकि अहमदाबाद की दुर्घटना ऐसे समय हवाई यात्रा के प्रति लोगों के भरोसे को डिगा सकती है, जब हवाई यात्री लगातार बढ़ रहे हैं। अब देश में विमान सेवाओं का संचालन मुख्यतः निजी कंपनियां कर रही हैं। क्या वे सुविधाओं के साथ हवाई यात्रा की सुरक्षा के प्रति सजग हैं? एक बार को सुविधाओं में कमी की अनदेखी की जा सकती है, पर हवाई यात्रा की सुरक्षा से तो कोई समझौता हो ही नहीं सकता। माना गया था कि टाटा के हाथ आने के बाद सुविधाओं एवं सुरक्षा के मामले में एअर इंडिया की हालत सुधरेगी और विमानों का संचालन सुगमता से होगा, पर अहमदबाद की दुर्घटना यह कह रही है कि शायद ऐसा नहीं हो सका। राष्ट्रीय त्रासदी जैसी इस दुर्घटना पर विमान निर्माता कंपनी बोइंग से भी कुछ सवाल पूछने होंगे।

- राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

सुरक्षा पर गंभीर सवाल

अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास हुई भीषण विमान दुर्घटना ने देश को झकझोर दिया है। उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद हुई इस दुर्घटना से जांचकताओं और विमानन विशेषज्ञों के सामने कई सवाल उठ खड़े हुए हैं। भारत में पिछले दशकों में कई हवाई दुर्घटनाएं देखी गई हैं। हरेक हादसे के बाद विमानन क्षेत्र में सुरक्षा के नए मानकों को लेकर मंथन हुआ है और जरूरी बदलाव किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक छानबीन के तय मानक हैं। और सुझावों को हर देश को मानना होता है। सवाल उठता है कि अहमदाबाद में क्या हुआ। हादसे के जो वीडियो सामने आए हैं, उनसे स्पष्ट है कि विमान उड़ते समय नीचे गिरा। अचानक विमान की बिजली ठप हो जाने से ऐसा होता है। इससे इंजन बंद हो जाते हैं, लेकिन इस बात की कम संभावना होती है कि किसी विमान के दोनों इंजन एक साथ बंद हो जाएं। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस हादसे में एक बात खटकने वाली है। विमान के उड़ान भरते ही लैंडिंग गियर को ऊपर उठा दिया जाता है, लेकिन इसका लैंडिंग गियर नीचे था। संभव है कि पायलट को इंजन में खराबी का पता चला हो और उसने संभालने की कोशिश की हो। दरअसल, विमान का उड़ान भरना और उतरना उड़ान का सबसे खतरनाक चरण होता है। जब यह हादसा हुआ, तब विमान 625 फुट की ऊंचाई पर था, जिससे यह सवाल उठता है कि क्या चालक दल किसी एक ही समस्या से निपट रहा था या एक साथ कई समस्याओं से। हादसे का शिकार हुआ विमान बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर था जो चौड़े आकार वाला और दो इंजन से लैस होता है। जब जांच होगी तो पहला सवाल यही पूछा जाएगा कि यह विमान उड़ान भरने के लिए सही ढंग से तैयार था या नहीं। जेट विमानों में कई सहयोगी प्रणालियां होती हैं जिसमें केवल एक इंजन के साथ ऊपर चढ़ने की क्षमता भी शामिल होती है। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि एअर इंडिया के इस विमान ने कितनी उड़ानें पूरी की थीं। फ्लाइट रडार 24 के आंकड़ों के मुताबिक, यह विमान एक दशक से भी ज्यादा पुराना था। बोइंग के ड्रीमलाइनर को लेकर अतीत में सुरक्षा संबंधी चिंताएं सामने आई थीं, लेकिन कभी दुर्घटना नहीं हुई थी। भारतीय वायु क्षेत्र में पिछला बड़ा हादसा 2020 में हुआ था, जब एअर इंडिया एक्सप्रेस की सहायक कंपनी का एक यात्री विमान केरल में बारिश से भीगे रनवे पर फिसल गया और दो टुकड़ों में टूट गया। कम से कम 17 लोगों की मौत हो गई थी। वर्ष 2010 में, एअर इंडिया एक्सप्रेस का एक विमान मैंगलोर में एक पहाड़ी रनवे से फिसल गया था। विमान में आग लग गई थी, जिसमें 150 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। यह वह दौर था, जब भारत के तेजी से बढ़ते विमानन क्षेत्र में सुरक्षा और व्यावसायिकता को लेकर कई स्तर पर लोग चिंतित थे। अब स्थिति सुधरने लगी थी और विमानन क्षेत्र ने करवट लेनी शुरू की थी। सरकार ने उड़ान समेत कई नई योजनाएं शुरू कीं। ऐसे में बड़े हादसे से समूची कवायद ठिठक जाएगी। उठे सवालों पर मंथन कर आगे बढ़ना होगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि झकझोर देने वाले इस हादसे से विमानन कंपनियों समेत तमाम पक्ष सबक लेंगे और सुरक्षा की सौ फीसद गारंटी दी जा सकेगी।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागरजी महाराज के प्रवचन से...

नई दिल्ली. शाबाश इंडिया

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज की उत्तराखण्ड के बद्रिनाथ से हरिद्वार से दिल्ली तरुणसागरम तीर्थ अहिंसा संस्कार पदयात्रा चल रही है आज यह अहिंसा संस्कार पदयात्रा तरुण सागरम तीर्थ अहिंसा संस्कार पदयात्रा भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्कड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज श्री दिगंबर जैन मंदिर पीतमपुरा उत्तरी दिल्ली से श्री 1008 पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, अशोक विहार ,फैस - 2 दिल्ली 5.6 किलोमीटर के लिए होगा। विहार दरम्यान उपस्थित गुरु भक्तों को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि रोग और आग को कभी छोटा ना समझें अन्यथा अनर्थ होने में ज्यादा वक्त नहीं लगेगा.. ! आज हर व्यक्ति रोग और मौत से भयभीत होकर जीवन जी रहा है। फिर वो बीमारी अपनी हो, या अपने परिजनों की हो या मित्रो की हो -- स्वास्थ्य को लेकर सब चिन्तित और परेशान है। हम जितना बचें बीमारियों से, उतना ही बेहतर है।हमेशा सावधान रहें अपनी लापरवाही और स्वयं की बेपरवाह से, क्योंकि --बीमार होना सरल है पर ठीक होना बहुत कठिन है। मरना सरल है लेकिन मर मर कर जीना या बीमार होकर जीना बहुत कठिन है।हम जानते हैं -- इस दुनिया में ऐसा कोई भी नहीं है, जो पूर्णतया रोगों से मुक्त हो, बीमार होने की अनेकानेक वजह हो सकती है। बीमारियां छोटी बड़ी नहीं होती है, बीमारी तो बीमारी होती है। यदि हम बीमार पड़ते हैं तो फिर वो कोई भी बीमारी हो, सबसे पहले हम उसे स्वीकार करें और उपचार की बुनियादों से अपनी वर्तमान स्थिति को संभाले,, क्योंकि मानव शरीर अति संवेदनशील है। इस पर हर तरह की बातों का असर होता है। अगर हमारे शरीर के साथ कुछ गलत होता है, तो यह रोग दो गुना और ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाता है। ध्यान रखें -- कभी भी अपनी बीमारी को सबसे शेयर ना करें, उनसे शेयर करें जिनके पास आपकी बीमारी का इलाज हो, समाधान हो। अन्यथः लोग सामने दुःख जतायेंगे और आपकी पीठ पीछे लड्डू खिलायेंगे... !

-नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल

नि: शुल्क चिकित्सा परामर्श केंद्र
भगवान पार्श्वनाथ चिकित्सालय
(श्री दिगम्बर जैन मंदिर समिति ट्रस्ट द्वारा संचालित)
का
शुभारम्भ
15 जून, 2025
प्रात 9:00 बजे
63/110,111 हीरा पथ मानसरोवर
जयपुर

उद्घाटन कर्ता : श्री वीरेन्द्र कुमार जी, अलका जी, अनुषा जी (RAS), एकांश जी जैन
लदाना वाले परिवार

मुख्य अतिथि : डॉक्टर देवेन्द्र कुमार जी ,नीरु जी
जैन परिवार

दीप प्रज्वलन : श्री पदम कुमार जी, अंजना जी, अनुपम जी
जैन परिवार

सुभाष जैन (अध्यक्ष) पवन छाबड़ा (मंत्री) देवेंद्र छाबड़ा (कोषाध्यक्ष) अंकित गंगवाल (संयोजक) सुरेंद्र जैन पटौदी (प्रभारी)

एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्य

सखी

SAKHI GULABI NAGARI
WISHES YOU

14 June' 25

Manisha Jain-Pawan Kumar Jain

HAPPY Anniversary TO YOU

SUSHMA JAIN (President) | SARIKA JAIN (Founder President) | MAMTA SETHI (Secretary)
DIVYA JAIN (Greeting Coordinator)

इंजीनियर्स कॉलोनी में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा समारोह आज

आचार्य शशांक सागर ससंघ का हुआ मंगल प्रवेश। शनिवार को निकलेगी घटयात्रा, ध्वजारोहण, पांडाल उद्घाटन, वेदी शुद्धि, दीप प्रवज्जलन, इंद्र एवं मंडल प्रतिष्ठा, श्री यागमंडल विधान पूजन और भगवान की माता की गोद भराई

जयपुर. शाबाश इंडिया

धर्म नगरी जयपुर के मानसरोवर, मान्यावास स्थित इंजीनियर्स कॉलोनी के नवीन जिनालय में शनिवार से तीन दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव का शुभारंभ गर्भ कल्याणक की क्रियाओं और श्री यागमंडल विधान पूजन से प्रारंभ होने जा रहा है। इस आयोजन में अपना मंगल सानिध्य प्रदान करने के लिए आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ का शुक्रवार को प्रातः 8 बजे भव्य शोभायात्रा के साथ मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। आचार्य श्री सांगानेर से प्रातः 5 बजे विहार कर 6.15 बजे स्वर्ण पथ पर प्रवेश किया यहां पर सकल जैन समाज इंजीनियर्स कॉलोनी ने आचार्य श्री की अगवानी की जिसके पश्चात यहां से भव्य शोभायात्रा का रूप धारण कर आचार्य श्री ससंघ को न्यू सांगानेर रोड़, स्वर्ण गार्डन रोड़ से होते हुए इंजीनियर्स कॉलोनी के चेत्यालय के दर्शन कर नवीन जिनालय में प्रवेश सम्पन्न करवाया। प्रचार संयोजक अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया कि आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ का प्रातः 8 बजे इंजीनियर्स कॉलोनी के नवीन जिनालय में मंगल प्रवेश सम्पन्न हुआ। यहां पर सभी समाजबंधुओं ने आचार्य संघ के पाद प्रक्षालन और पुष्पवर्षा कर जिनालय में स्वागत किया, इसके पश्चात सकल जैन समाज ने अष्ट द्रव्य के साथ पंचकल्याणक में सानिध्य प्रदान करने के लिए श्रीफल चढ़ा आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान ब्रह्मचारी जिनेश भैया ने पंचकल्याणक क्रियाओं का विवरण सबके समक्ष रखा, जिसके उपरांत आचार्य शशांक सागर महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को आशीर्वचन प्रदान किए। इस दौरान कमलचंद छाबड़ा, अशोक जैन खेड़ली वाले, पुष्पेंद्र जैन पचेवर वाले, प्रमोद बाकलीवाल, मयंक जैन, अरविंद सेठी, राजेंद्र सोनी, अनिल बोहरा, अशोक जैन, मनीष जैन, सीए मनीष छाबड़ा, सपन जैन, रवि जैन, गिरीश जैन, इंजीनियर्स कॉलोनी जैन महिला मंडल की सदस्याओं सहित सैकड़ों श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पंचकल्याणक महोत्सव के आयोजन शनिवार से: महोत्सव समिति अध्यक्ष अनिल बोहरा ने जानकारी देते हुए बताया कि शनिवार से आचार्य शशांक सागर महाराज ससंघ सान्निध्य, पंडित धर्मचंद शास्त्री एवं ब्रह्मचारी जिनेश भैया के निर्देशन में तीन दिवसीय पंचकल्याणक प्रतिष्ठा का शुभारंभ शनिवार को प्रातः 5.30 बजे से प्रारंभ हो जाएंगे। इस आयोजन में पाषाण से भगवान बनने की प्रत्येक क्रियाओं का ना केवल गुणगान होगा बल्कि विधान पूजन और सांस्कृतिक आयोजनों के माध्यम से सभी श्रावक और श्राविकाओं को पंचकल्याणक महत्ता से अवगत भी करवाया जाएगा। शनिवार को प्रथम दिन गर्भ कल्याणक की क्रियाएं संपन्न होगी जिसकी शुरूवात प्रातः 5.30 बजे मंगलाष्टक, श्रीजी के कलशाभिषेक और शांतिधारा से प्रारंभ होगी। प्रातः 6.30 बजे 108 महिलाओं और समाजबंधुओं द्वारा बैंड - बाजों के साथ घटयात्रा निकाली जाएगी। प्रातः 7.30 बजे ध्वजारोहण, पांडाल उद्घाटन, वेदी शुद्धि पांडाल, वेदी शुद्धि संस्कार मंदिर, चित्र अनावरण, दीप प्रवज्जलन, नांदी कुंभ स्थापना और आचार्य शशांक सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगे। दोपहर 1 बजे से सकलीकरण, इंद्र प्रतिष्ठा, मंडल प्रतिष्ठा, श्री यागमंडल विधान पूजन और भगवान की माता बनी श्रीमती तारा देवी कमलचंद छाबड़ा की गोद भराई की क्रियाएं संपन्न करवाई जाएगी। शाम 7 बजे से श्रीजी की आरती, आचार्य संघ की आरती, शास्त्र सभा, राज दरबार, इंद्र दरबार, रत्न वर्षा, हस्तिनापुर नगरी रचना, सोलह स्वप्न, 56 अष्ट कुमारियों द्वारा माता की सेवा सम्पन्न करवाई जाएगी। मंत्री गिरीश जैन ने बताया कि मध्य रात्रि 12.45 बजे से बाल ब्रह्मचारी धर्मचंद शास्त्री और ब्रह्मचारी जिनेश भैया के निर्देश में गर्भ कल्याणक की आंतरिक क्रियाएं संपन्न होगी। शनिवार को शाम 6.30 बजे आम आदमी पार्टी राजस्थान के नवनियुक्त प्रभारी एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य धीरज टोकस आचार्य श्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त करेंगे और श्रीजी की मंगल आरती ने भी शामिल होगे। वहीं रविवार को प्रातः 11 बजे राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, विधायक कैलाश वर्मा भी पंचकल्याणक प्रतिष्ठा में सम्मिलित होकर आचार्य संघ का मंगल आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। रविवार को जन्मकल्याणक, तप और ज्ञान कल्याणक की क्रियाएं संपन्न होगी, जन्मकल्याणक के अवसर पर पांडुकलशिला पर जन्माभिषेक कलश होगे जिसके सैकड़ों श्रद्धालु कलश करेंगे।

अभिषेक जैन बिट्टू
प्रचार संयोजक, इंजीनियर्स कॉलोनी जैन मंदिर पंचकल्याणक प्रतिष्ठा समिति, मानसरोवर, जयपुर
मो - 9829566545

सर्वारथसिद्धि तैं चये...

भक्ति भाव से मनाया जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का गर्भ कल्याणक

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के प्रवर्तक व प्रथम तीर्थंकर भगवान आदिनाथ का गर्भ कल्याणक शुक्रवार, 13 जून को भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में पूजा अर्चना के विशेष आयोजन हुए। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' के अनुसार इस मौके पर मंदिरों में प्रातः मंत्रोच्चार के साथ अभिषेक, शांतिधारा के बाद भगवान आदिनाथ की विशेष पूजा अर्चना की गई। पूजा के दौरान गर्भ कल्याणक श्लोक "सर्वारथसिद्धि तैं चये, मरुदेवी उर आय। दोज असित आषाढ़ की, जजूँ तिहारे पांय ।।" का उच्चारण करते हुए भगवान आदिनाथ के जयकारों के साथ अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा 'के मुताबिक जगतपुरा रोड पर शांतिनाथ जी की खोह स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र में समाजश्रेष्ठी विनोद जैन कोटखावदा एवं कमल वैद के नेतृत्व में भगवान आदिनाथ का गर्भ कल्याणक महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर 26 अगस्त 2015 को पहाड़ी की तलहटी में भू गर्भ से अवतरित 1000 से भी अधिक प्राचीन भगवान आदिनाथ की भव्य प्रतिमा के मंत्रोच्चार से अभिषेक के बाद विश्व में सुख, शांति, समृद्धि और खु की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। तत्पश्चात अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना कर पूजा के दौरान गर्भ कल्याणक अर्घ्य चढाया गया। महाआरती के बाद समापन हुआ। इस दौरान पूरा मंदिर परिसर भगवान आदिनाथ के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। श्री जैन के मुताबिक आगरा रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र चूलगिरी, आचार्यों का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर सिरमोरियान, मनिहारो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर बड़ा दीवान जी, सांगानेर के संघीजी दिगम्बर जैन मंदिर, एस एफ एस दिगम्बर जैन मंदिर, मीरा मार्ग दिगंबर जैन मंदिर, तारों की कूट पर सूर्य नगर स्थित श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सहित कई मंदिरों में विशेष आयोजन किये गये। श्री जैन के मुताबिक मंगलवार, 17 जून को जैन धर्म के बारहवें तीर्थंकर भगवान वासुपूज्य का गर्भ कल्याणक दिवस एवं तेरहवें तीर्थंकर भगवान विमल नाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस मनाया जावेगा। इस मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में मोक्ष का प्रतीक निर्वाण लाडू चढाया जावेगा । शुक्रवार, 20 जून को जैन धर्म के 21 वें

तीर्थंकर भगवान नमिनाथ का जन्म व तप कल्याणक महोत्सव मनाया जाएगा। **कल्याणक महोत्सव:** तीर्थंकरों के जीवन की ऐसी घटना जो अन्य जीवों के कल्याण का आधार बनती हैं कल्याणक कहलाते हैं। वर्तमान में साक्षात में तो भगवान के कल्याणक देख पाना संभव नहीं अतः कल्याणक पर्वों के शुभ अवसर पर भगवान की भक्ति,अभिषेक, शांतिधारा, पूजन, विधान, महाआरती आदि की जाकर कल्याणक दिवस मनाया जाता है।

विनोद जैन 'कोटखावदा' प्रदेश महामंत्री

सुशीला पाटनी आरके मार्बल ग्रुप किशनगढ़ ने गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का लिया आशीष

माताजी मुझे ऐसा आशीर्वाद दें कि मेरी भी दीक्षा हो सुशील पाटनी

जहाजपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमती सुशीला पाटनी आरके मार्बल ग्रुप किशनगढ़ महिला मंडल की सदस्यों के साथ स्वास्तिधाम जहाजपुर दर्शनार्थ आई। उन्होंने मूलनायक मुनिसुव्रतनाथ के दर्शन किए उसके उपरांत उन्होंने माता जी के दर्शन कर मंगल आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर उनके द्वारा स्वस्ति संदेश पत्रिका का विमोचन भी किया गया। उन्हें गुरु मां को मंगल आहार देने का भी सौभाग्य प्राप्त हुआ। श्रीमती सुशीला पाटनी ने अपने उद्बोधन में कहा की मेरे बच्चे बहुत अच्छे हैं उनका और मेरे सास ससुर का

आशीर्वाद उनका संबल ही जो मैं आज यहां तक हु उन्होंने माताजी से आशीर्वाद मांगा कि माताजी मुझे ऐसा आशीर्वाद दे की मेरी भी दीक्षा हो। उन्होंने कहा धन, दौलत, पैसा परिवार कुछ भी नहीं है पैसा कुछ भी नहीं हैं धर्म करो, तपस्या करो, त्याग करो, माताजी के चरणों में आकर कुछ सीखो तो अपना जीवन सुधरेगा नहीं तो कुछ भी नहीं होगा। उन्होंने कहा की सब कुछ छूट जाए पर धर्म से दूर न हो गुरु का साथ न छुटे बस यही भावना है की गुरुजी जहा पहुंचे हम भी वहां तक पहुंचे।

अभिषेक जैन लुहाड़िया
रामगंजमंडी की रिपोर्ट
9929747312

निवाई में आदित्य सागर महाराज ससंध का भव्य मंगल प्रवेश 16 को

निवाई. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में जैन मुनि आदित्य सागर महाराज का 16 जून को गाजे बाजे के साथ भव्य मंगल प्रवेश किया जाएगा। अखिल भारतीय जैन धर्म प्रचारक विमल जौंला एवं सुनील भाणजा ने बताया कि जैन मुनि आदित्य सागर महाराज, मुनि अप्रमित सागर, मुनि सहज सागर, एवं छुल्लक श्रेयश सागर महाराज ससंघ 4 दिगम्बर युवा साधुओं की 14 जून को आहार चर्या टोंक में होगी एवं 15 जून को सोहेला में होगी। उन्होंने बताया कि पुण्यशाली होते हैं वहां के लोग जहां पर संतों का आवागमन होता रहता है। समाजसेवी हितेश छाबड़ा एवं राकेश संधी ने बताया कि निवाई समाज बहुत सौभाग्य शाली है जो आचार्य वर्धमान सागर जी महाराज जैसे महान संघो का चातुर्मास का लाभ वर्ष 2015 में ले चुका है।एवं आगामी 2025 का चातुर्मास के लिए प्रयासरत हैं।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अंबाह द्वारा घर-घर जाकर किया गया मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

अजय जैन. शाबाश इंडिया

अंबाह। सीबीएसई बोर्ड परीक्षा 2024-25 में शानदार प्रदर्शन करने वाले अंचल के होनहार विद्यार्थियों का दिगंबर जैन सोशल ग्रुप अंबाह द्वारा गरिमामय ढंग से सम्मान किया गया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से समाजसेवी श्रीमती मालती संतोष जैन की उपस्थिति में संपन्न हुआ, जिनके प्रेरणादायक शब्दों ने विद्यार्थियों और अभिभावकों में आत्मबल और उत्साह भर दिया। इस अवसर पर कु. वाणी जैन वीरेंद्र जैन, कु. सारा अंशुल जिनेश जैन सहित अन्य कई छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र और शैक्षणिक सामग्री भेंट की गई। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप के सदस्यों ने घर-घर जाकर छात्रों को सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सम्मान समारोह में उपस्थित प्रमुख सदस्यों में अजय जैन (पत्रकार), कुलदीप जैन, अमित जैन 'टकसारी', आकाश जैन, मनीष जैन, कपिल जैन, के. पी.,श्रेयांस जैन सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक सम्मिलित रहे। इस अवसर पर श्रीमती मालती जैन ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहाः हमारे समाज के बच्चे जब शिक्षा के क्षेत्र में इतने अच्छे अंक लाकर क्षेत्र का नाम रोशन करते हैं, तो यह हम सभी के लिए गर्व का विषय बन जाता है। वाणी, सारा, जैसे प्रतिभाशाली बच्चे समाज का भविष्य हैं, और हमें इनका मार्गदर्शन और सम्मान करना चाहिए। संतोष जैन ने भी विद्यार्थियों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि ''इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ समाज में शिक्षा के प्रति आदर और जागरूकता को भी मजबूत करते हैं।'' ग्रुप अध्यक्ष अमित जैन 'टकसारी' और महामंत्री कुलदीप जैन ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों को नियमित रूप से जारी रखा जाएगा ताकि विद्यार्थियों को उनके परिश्रम के लिए प्रोत्साहन मिलता रहे। आकाश जैन,मनीष जैन ने कहा कि यह आयोजन समाज में सकारात्मक संदेश देने के साथ-साथ शिक्षा के क्षेत्र में प्रेरणा का स्त्रोत भी बन रहा है।

भगवान की भक्ति से परमात्मा का मिलन होता है : आचार्य मुनि श्री विभव सागर जी महाराज

सुरेश चंद्र गांधी. शाबाश इंडिया

नौगामा । परम पूज्य आचार्य विभव सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनि श्री श्री सागर जी व मुनि श्री श्रम सागर जी महाराज के सानिध्य में आज प्रातः वागड़ के बड़े बाबा आदिनाथ भगवान नेमिनाथ भगवान की शांति धारा बड़े भक्ति भाव से की गई अभिषेक की पश्चात मुनीश्रीका मंगल प्रवचन मानस्तम स्थित परिसर में हुआ मुनि श्री ने अपने मंगल प्रवचन में कहा कि भगवान की भक्ति से परमात्मा का मिलन होता है भक्ति में वह शक्ति है जहर को भी अमृत बन सकता है। मीराबाई का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मीरा भगवान की भक्ति में इतनी लल्लिन हो गई थी कि उसे महाराजा ने जहर का प्याला दिया मीराबाई ने पिया जहरअमृत बन गया इसलिए हमें यह मनुष्य भव मिला है हम परमात्मा की ऐसी भक्ति करें कि हमारा अगला भव सुधर जाए महाराज श्री ने संघ सहित सुखोदेव तीर्थ क्षेत्र पर शाश्वत सम्मेद शिखर तीर्थ राज की वंदना की एवं नवनिर्माणधीन भगवान मुनीश्वरनाथ जिनालय शीघ्र बनकर प्रतिष्ठा हो ऐसा मंगल आशीर्वाद प्रदान किया प्रतिदिन प्रातः प्रवचन एवं शाम को मंगल आरती प्रश्न मंच के माध्यम से नौगामा नगर के श्रद्धालु धर्म का लाभ ले रहे हैं शाम को मुनीश्रीका मंगल विहार बागीदौरा द्वारा नगर की ओर हुआ एवं मुनि श्री शुद्ध सागर जी व एलक श्री का मंगल विहार दिनांक 14 जून को प्रातः जोलाना नगर की ओर होगा उक्त जानकारी जैन समाज प्रवक्ता सुरेश चंद्र गांधी द्वारा दी गई।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर **'शाबाश इंडिया'** आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com | weeklyshabaas@gmail.com

सदैव स्मरण रखें: मुझे भगवान की खोज करना है-भावलिंगी संत आचार्य श्री विमर्श सागर जी मुनिराज

33 पीछी धारी दिगम्बर साधु-साध्वी के साथ पधारे आचार्यश्री विमर्श सागर जी महामुनिराज

सोनल जैन. शाबाश इंडिया

आबाल। वृद्ध समुदाय में एकत्रित होकर 12 जून की प्रातः बेला में पहुंच गया खतौली से से सलावा अतिशय क्षेत्र। सैकड़ों की संख्या में भक्तसमूह के साथ 'परम पूज्य 'जीवन जीवन है पानी की बूंदे महाकाव्य के मूल रचियता संघ शिरोमणि भावलिंगी संत श्रमणाचार्य श्री 108 विमर्श सागर जी महामुनिराज अपने चतुर्विध संघ की विशालता लिए हुए धर्मनगरी खतौली में पधारे। ज्ञात हो, पूज्य आचार्य श्री सत्संघ सन 2025 के मंगल चातुर्मास हेतु ?धर्मनगरी सहारनपुर की ओर बढ़ रहे हैं। 12 जून को खतौली नगर का अतिशय पुण्य जागा, जो आचार्य श्री विमर्श सागर जी महामुनिराज ससंघ खतौली में पधारे। मंगल पदार्पण के पश्चात उपस्थित विशाल जनसमुदाय के मध्य आचार्य श्री ने अपने मंगल प्रवचनों में कहा हमें यह मनुष्य जीवन मिला है मात्र भगवान बनने के लिए। इस संसारमें जीव नामक पदार्थ की कभी भी उत्पत्ति नहीं होती, जीव नामक पदार्थ अक्षय अनंत की संख्या में इस लोक में अनादि से विद्यमान हैं। हम और तुम भी अनादि काल से इसी लोक में स्थित रहे हैं। अनंत काल तो हम सभी ने निगोद की पर्याय में बिता दिया। वहाँ एकेन्द्रिय की वृक्ष आदि की पर्याय में कर्म फल चेतना को ही भोगते हुए अनंत काल बिता दिया। वहाँ क्या गर्मी, क्या सर्दी और क्या बरसात ? सबकुछ मात्र सहा ही सहा है, किसी का भी प्रतिकार करने की शक्ति आप में नहीं थी। आज यहाँ आपने संनी पंचेन्द्रिय की पर्याय प्राप्त कर ली है तो यहाँ आत्म हित के लिए किंचित भी प्रतिकूलता सहज भाव से सहन नहीं कर माते, घोड़ी सी गर्मी अथवा सर्दी में कितने विचलित - व्याकुलन्चित्त हो जाते हो। जब यह जीव तुच्छ हीन पयार्यों में दुःखों को भोगता है तो भावना करता हैं, मुझे भी मनुष्य पर्याय प्राप्त हो और मैं भी भगवान बनने के मार्ग पर अग्रसर हो सकें। जन्मों जन्मों के संचित पुण्यों से मनुष्य जन्म प्राप्त हो गया । आज आप अपने पूर्व जन्मों के दुःखों को भूल गये और वर्तमान में प्राप्त भोगों को प्राप्तकर मदहोश हो जाते हो और धर्म को तथा भगवान भूल जाते हो। यदि प्रत्येक मानव यह प्रतिदिन स्मरण करे कि मुझे यह जन्म एक मात्र ''भगवान की खोज करने के लिए मिला है'' तो आपके कदम कभी शराबखाने की ओर नहीं बढ़ सकते। आचार्य संघ के चरणों में खतौली समाज में निवेदन पर आन्चार्यश्री में 4-5 दिवस का मंगल झाशीवार खतौली समाज की प्रदान प्रदान किया।

संक्रांति महोत्सव एवं नागरिक अभिनंदन समारोह के साथ होगा मारवाड़ जैन श्री संघ ट्रस्ट का शुभारम्भ

पद्मश्री गच्छाधिपति नित्यानंद सुरीश्वर महाराज की निश्रा ने होगा आयोजन

आयुष पाटनी. शाबाश इंडिया

जोधपुर। राजस्थान सरकार द्वारा राज्य अतिथि दर्जा प्राप्त गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय नित्यानंद सुरीश्वर महाराज को भारत सरकार द्वारा पद्मश्री सम्मान से सम्मानित करने के बाद प्रथम बार जोधपुर में आगमन हो रहा है साथ ही भव्य संक्रांति महोत्सव का आयोजन भी हो रहा है, समस्त जैन समाज की एकता के प्रतीक के रूप में विशाल भवन का निर्माण का बीड़ा उठाने वाले मारवाड़ जैन श्री संघ ट्रस्ट का भी शुभारंभ किया जाएगा । ये कार्यक्रम 15 जून रविवार को प्रातः 9: 30 बजे मारवाड़ इंटरनेशनल ऑडिटोरियम में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में भोलेबाबा आचार्य श्री जयानंद सुरीश्वर जी महाराज साहब, साध्वी श्री सुमंगला श्रीजी म.सा आदि साधु साध्वीजी भगवंत की निश्रा रहेगी।

कार्यक्रम में होंगे अतिथि शामिल

कार्यक्रम संयोजक गौतम सालेचा ने बताया कि विशाल रूप से आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में पंजाब के राज्यपाल गुलाबचंद कटारिया, नाकोड़ा तीर्थ अध्यक्ष रमेश कुमार मुथा, राजस्थान हॉस्पिटल के चेयरमैन पृथ्वीराज कांकरिया, मोटिवेशनल स्पीकर शांतिलाल गोलेछा की गरिमामयी उपस्थिति समारोह में रहेगी साथ ही मारवाड़ जैन श्री संघ से जुड़े हुए ट्रस्टी भी उपस्थित रहेंगे एवं संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता जोधपुर शहर विधायक अतुल भंसाली करेंगे।

मारवाड़ जैन श्री संघ करेगा विशाल जैन भवन का निर्माण

मीडिया प्रभारी मुकेश नाहर एवं महेंद्र लूणावत ने संयुक्त रूप से बताया किगुलाबनगर जैन मंदिर के पास भूमि पर 50 रूम, दो बैंक्विट हॉल, भोजनशाला, कॉन्फ्रेंस हॉल सहित आधुनिक सुविधाओं से युक्त विशाल भवन का निर्माण होगा जिससे भविष्य में पूरे जोधपुर जैन समाज को इस भवन से लाभ मिलेगा और बड़े बड़े आचार्य गुरुभग्वंतो के चातुर्मास आसानी से यहां हो सकेंगे साथ ही ये भवन एम्स के नजदीक होने के चलते ईलाज के लिए जोधपुर आने वाले मरीजों के परिजनों को हैं भवन में ठहरने एवं शुद्ध सात्विक भोजन की सुविधा उपलब्ध हो सकेगी ।

गच्छाधिपति के मंगल प्रवेश के साथ होगा भूमि शुद्धिकरण

सचिव राजेंद्र सालेचा ने बताया कि 14 जून शनिवार को प्रातः पद्मश्री गच्छाधिपति आचार्य श्रीमद् विजय नित्यानंद सुरीश्वर महाराज का गाजे बाजे के साथ गुलाबनगर की धरा पर मंगल प्रवेश होगा उसके पश्चात जिस भूमि पर जैन भवन का निर्माण होगा उस भूमि का गच्छाधिपति द्वारा भूमि शुद्धिकरण किया जाएगा ।

महोत्सव को लेकर तैयारियां जोरो पर

महोत्सव को लेकर मारवाड़ जैन श्री संघ ट्रस्ट अध्यक्ष गौतम सालेचा उपाध्यक्ष महावीर कास्टिया सचिव राजेंद्र सालेचा कोषाध्यक्ष पृथ्वीराज गोलेछा एवं समस्त ट्रस्ट मंडल तैयारियों में जुड़े हुए है साथ ही जैन समाज को निमंत्रण पत्र देकर आमंत्रित कर रहे है, कार्यक्रम को लेकर पूरे जोधपुर में उत्साह का माहौल है ।

विश्व रक्तदाता दिवस आजसमर्पित स्वैच्छिक रक्तदान से जन जाग्रति लाये : डॉ एस एस अग्रवाल

जयपुर

विश्व रक्तदाता दिवस हर वर्ष 14 जून को मनाया जाता है, नोबेल पुरस्कार विजेता कार्ल लैंडस्टीनर, जिन्होंने रक्त समूह प्रणाली (ABO Blood Group System) की खोज की थी के जन्मदिन पर यह दिवस मनाया जाता है। यह दिन रक्तदाताओं के अमूल्य योगदान को सम्मानित करने और सुरक्षित रक्त दान की आवश्यकता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समर्पित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) और अंतरराष्ट्रीय रक्त आधान सोसायटी (International Society of Blood Transfusion) ने इसकी शुरुआत 2004 में की थी। विश्व रक्तदाता दिवस का मुख्य उद्देश्य रक्त दान के प्रति जागरूकता, उन लोगों को धन्यवाद देना जो बिना किसी स्वार्थ के रक्त दान करते हैं, रक्त की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जागरूकता फैलाने और अस्पतालों और रक्त बैंकों में आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रक्त भंडार सुनिश्चित करना है। यही कारण है कि देश और प्रदेश में विभिन्न सामाजिक संस्थाएं और ब्लड बैंक स्वैच्छिक रक्तदान के लिए सतत रूप से जागरूकता अभियान और रक्तदान शिविर आदि का आयोजन करती रहती हैं। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के प्रबंध

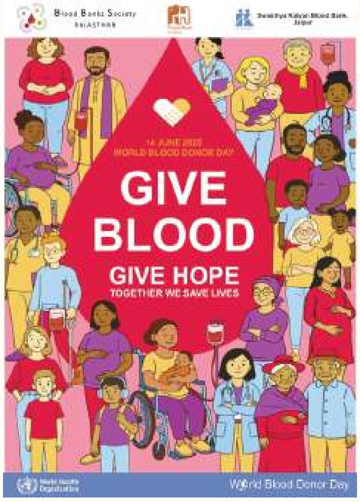

न्यासी डॉ. एस एस अग्रवाल ने स्वैच्छिक रक्तदान से जन जाग्रति लाने का आव्हान करते हुए कहा है कि स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक जो कि राजस्थान का प्रथम ब्लड बैंक है एवं NABH Accredited ब्लड बैंक है। स्वास्थ्य कल्याण पहला ब्लड बैंक है जिस पर भारत सरकार के डाक विभाग ने पोस्टल कवर जारी किया I इस ब्लड बैंक ने राजस्थान में पहली बार ब्लड कम्पोनेन्ट सेपरेशन यूनिट स्थापित की जिसकी मदद से एक यूनिट के कई घटक निकल कर कई मरीजो को लाभान्वित किया जा सकता हैं। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक ने एक और नवाचार करते हुए इस सेक्टर में पहला डिजिटल वॉलेट बनाया जिससे रक्तदाता द्वारा दिए एवं लिए गए ब्लड का ब्यौरा रखा जा सके और उसका बैंक की तरह इस्तेमाल किया जा सके। हाल ही में ब्लड बैंक ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय, भारत सरकार से ड्रोन के माध्यम से एक से दुसरे स्थान पर ब्लड सप्लाई शुरू करने की कवायद की है। उन्होंने बताया कि स्वेच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक ने राजस्थान में महती भूमिका निभाई है। डॉ. एस एस अग्रवाल का कहना है कि हमने राजस्थान में स्वेच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में जाग्रति लाने के लिए रक्तदान मेला और रेलियाँ सहित अनेक प्रयास निरंतर किये। डॉ. एस एस अग्रवाल का कहना है कि रक्त दान प्रक्रिया न्यूनतम 10 से 15 मिनट में पूरी हो जाती है। 18 से 65 वर्ष का वह व्यक्ति जिसका न्यूनतम वजन 45 किलोग्राम है, कोई गंभीर बीमारी नहीं है, दो रक्त दान के बीच कम से कम 3 महीने का अंतर है, रक्तदान कर सकता है I रक्त दान करने से दाता का स्वास्थ्य बेहतर होता है, जैसे रक्तचाप नियंत्रण और आयरन

स्तर संतुलन बना रहता है, शरीर 24 से 48 घंटों से लेकर दो हफ्तो में रक्त की पूर्ति कर लेता है। यही नहीं एक व्यक्ति द्वारा दान की गई रक्त की एक यूनिट, तीन लोगों की जान बचा सकती है। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक के मैनेजिंग डायरेक्टर आनंद अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक द्वारा छ लाख से ज्यादा रक्तदान करवाया जा चुका हैं एवं बारह लाख से ज्यादा रक्त यूनिट्स मरीजों को दी जा चुकी है। संस्था द्वारा वर्षभर में स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से 300 से ज्यादा रक्तदान शिविरों का आयोजन किया जाता है। स्वास्थ्य कल्याण ब्लड बैंक में 82 प्रतिशत से ज्यादा रक्त स्वैच्छिक रक्तदान के माध्यम से आता है। संस्था द्वारा 5368 रक्तदान शिविरो का आयोजन किया जा चुका है। राजस्थान में वर्षभर में चार लाख से ज्यादा रक्तदान किया जाता है।डॉ एस एस अग्रवाल ने प्रत्येक नागरिक विशेषकर युवाओं से विश्व रक्तदाता दिवस पर आव्हान किया कि वे कम से कम वर्ष में एक बार रक्तदान अवश्य करें जिससे जरूरत के वक्त मरीज के परिजनों को एवज में रक्तदान नहीं करना पड़े। स्वैच्छिक रक्तदान ही श्रेष्ठ रक्तदान है।

आनंद अग्रवाल 9982211000

जल के साथ आज हवाओ को भी बचाने की आवश्यकता पड़ गई: मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज

चातुर्मास का निवेदन लेकर अशोक नगर समाज चल रहा है साथ

छोटे छोटे गांव में भी उत्साह देखते ही बनता है: विजय धुर्रा

सिहोरा सागर. शाबाश इंडिया

आप जल को गन्दा करके शुद्ध जल प्राप्त नहीं कर सकते हवाओं को गन्दा कर दिया इनको बचाना होगा भारत का आज सबसे ज्यादा पैसा विदेश जा रहा है तो वह उपभोग की नई नई सामग्री के नाम पर चाहे वह पन्ने उढने खाने पीने या ऐसो आराम की वस्तु हो हम इस पैसे को बचा सकते है और अपने देश के विकास में योगदान दे सकते हैं आज ये समय की मांग है कि हम अपने देश को मजबूत करें सैनिक सीमा पर आपकी रक्षा के लिए लड़ते हैं आप तो नहीं जा रहे फिर आपका योगदान धन और साधन के सदुपयोग से होगा। इसके पहले अशोक नगर जैन समाज के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्री सुधा सागर जी महाराज की दुनिया दीवानी है ये भजनों तक सीमित नहीं है छोटे छोटे गांवों में जिस तरह से हुजूम उमड़ रहा है लोग एक झलक पाने के लिए लालयित रहते वह देखते ही बनता है हम अशोक नगर वाले वर्षों से चातुर्मास का इंतजार कर रहे और सभी की सद्भावना हमारे साथ है इसके पहले मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज के पद प्रक्षालन का सौभाग्य नगर गौरव मुनिश्री श्रमण सागर जी महाराज के गृहस्थ जीवन के परिवार जन अमृत लाल कोमल चन्द्र शास्त्र भेंट का सौभाग्य सुनील कुमार कमलेश कुमार भाई जी परिवार ने प्राप्त किया।

कर्म हमें एक मौका देता है सुधर जाने का इसका उपयोग करें

उन्होंने कहा कि भाव अच्छे नहीं होंने पर भी कुछ अच्छे कर्म कर लेते है तो अच्छे परिवार में जन्म ले लेते है। अब आज उनके अच्छे कर्म नहीं है तो कल उनका विनाश हो जाएगा। कर्म एक मौका देता है तुम्हें सुधरने का और व्यक्ति नहीं सुधरता है तो कंही न कंही से कर्म उसका विनाश कर देता है। कर्म ने तुम्हे अच्छा परिवार, देश, जाति, कुल सबकुछ अच्छा दिया, यदि इसके बाद उसका उपयोग नहीं करेंगे तो कर्म पल्टी खा जाता है फिर उसको बुरा स्थान, बुरा क्षेत्र, बुरा काल ऐसा मिलता है। मुनि पुंगव ने कहा कि आपके ऊपर जो संकट आया है विचार करो ऐसा संकट किस महान आत्मा पर आया था, उस आत्मा का ध्यान कर लो या तो संकट दूर हो जाएगा या तुम्हारा कुछ भी बिगाड़ नही पायेगा। बिना शुभयोग के सिद्धि नहीं होती, संसार का वैभव नहीं मिलता, पुण्य का बंध नहीं होता। मन वचन काय जब शुभ होते है तब पुण्य का बंध होता है लेकिन उस शुभयोग के साथ शुभोपयोग हो जाये तो यही

शुभयोग संसार को भी सँभाल देगा, परमार्थ की तरफ भी ले जाएगा। शुभयोग को लाने का एक ही तरीका है- मन वचन काय की शुद्धि- इन्हें सरल करें, कुटिलता न करें ध्यान स्वभाव नहीं, स्वभाव को प्राप्त करने के लिए साधन या कारण है पाप करने की अपेक्षा पापी बनाने वाले को ज्यादा कर्म का बंध होता है क्योंकि वह स्वयं न करके दूसरे को करा रहा है तो डबल कर्मबन्ध कर रहा है। इसी तरह अपने दूसरों से पुण्य करवाया तो आपको डबल पुण्य बंध होगा क्योंकि आपने स्वयं शुभ भाव किया व दूसरे के भाव भी शुभ बना दिये।